SAP – "Swachchta Action Plan"
Ministry of Tourism
Government of India of Porbandar – 2022-23

YAGYAVALKYA VIDYA MANDIR CBSE English Medium School – Vanana – Ranavav – Porbandar

---

तव स्वागत की चर्चा जो चली, मन चाह्यो सुवस्तु सवारन को
जब काटन से तन बिधि गए, तब थोड़े से पुष्प मिले हमको।
सोई गूथ मनोहर मंजुल हार, समर्पित आज करूं तुमको

माननीय अध्यक्ष महोदय **श्री अशोक जुंगी सर** एवं आदरणीय **दीवाली मासी** स्कूल फाउंडर , तथा **Trustee Sir Kanjibhai** असीम सम्मान के धरातल पर विराजमान मुख्य अतिथि महोदय **Dr. Aditi Choudhary Ma'am & Trustee shri Dinesh Sir and Suryakant Sir** विद्यालय परिवार के सम्मानित आज के अवसर पर सम्मानित गेस्ट स्पीकर **Mrs. Riddhi Gokani Makecha and Dr. Rajesh Kotecha** तथा गुजराती मीडियम आचार्य श्रीमती भावनाबेन वांदरिया, Incharge of various branches & all the SMC members and P.T.A. memners , सदस्यगण, अभिभावकगण, प्रिय साथियों, देवियों, सज्जनों और प्यारे बच्चों।

सर्वप्रथम मैं उपस्थित आप सभी लोगों का हृदय के प्रांतर से हार्दिक अभिनंदन एवं वंदन करती हूँ । आज के इस विशेष कार्यक्रम में आपकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा में चार चाँद लगा दिया है। जैसा कि हम सभी जानते है अतिथि देवो भव :की परंपरा हमारी संस्कृति की धरोहर है। अतः उसी परंपरा का पालन करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

स्वागतम कर रहा आपका हर सुमन, आप आए यहाँ आपको शत-शत नमन ।

साथियों आज हम लोग एक महत्वपूर्ण विषय यानी **SAP** 2022 – Ministry if Tourism Government of India पर चर्चा के लिए एकत्रित हैं । किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के विकास के लिए पर्यटन एक बड़ा उद्योग है और भारत जैसे विशाल देश में तो पर्यटन के विकास हेतु अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक तथा कला स्थापत्य के क्षेत्र में भारत सदियों से समृद्धि एवं संपन्न रहा है। यहां के ऐतिहासिक स्मारक तीर्थस्थलों, किले, मंदिर तथा कश्मीर से कन्याकुमारी तक का संपूर्ण भारत प्राकृतिक सुषमा एवं सौंदर्य से ओतप्रोत है । लेकिन फिर भी पर्यटन के क्षेत्र में हम उस मुकाम को हासिल करने में अभी पूर्णत :सफलता नहीं अर्जित कर पाए जिसके हम अधिकारी हैं। इसके लिए कहीं ना कहीं हम और आप सभी लोग जिम्मेदार हैं। साथियों पर्यटन के विकास हेतु तीन चीजें परम आवश्यक हैं पहला स्वच्छता दूसरा सुरक्षा और तीसरा स्वागत और सम्मान। तो आज इन्हीं पहलुओं पर चर्चा-परिचर्चा हेतु हमारे बीच विद्वान अतिथिगण उपस्थित हैं। मान्यवर आप सभी के विचारों को सुनना बड़े सौभाग्य की बात है। इन्हीं शब्दों के साथ एक बार पुनः हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करती हूं।

स्वीकार आमंत्रण किया, रखा हमारा मान, कैसे करे कृतज्ञता, स्वागत है श्री मान ..

स्वच्छ भारत के सपने को,

सबको मिलकर पूरा करना है |

देश की प्रगति को तो अब,

हम सभी को सुनिश्चित करना है |

माना कि मंजिल बहुत दूर है,

फिर भी हिम्मत से आगे बढ़ना है |

Mrs. Nirja Agrawal

Principal